

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 1, पृष्ठभूमि और होशे 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

खैर, आप सभी को यहाँ देखकर बहुत खुशी हुई। आपका धन्यवाद। आने के लिए धन्यवाद।

खाली कमरे में ऐसा करना वाकई मुश्किल है। इसलिए, शुक्रिया। आपकी दोस्ती के लिए शुक्रिया।

आपकी रुचि के लिए धन्यवाद। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। किसी ने मुझसे पूछा, आप पढ़ाना कब बंद करेंगे? मैंने कहा, जब मैं मर जाऊँगा।

कैरन ने कहा, ठीक है, अगर तुम समझदारी दिखाना बंद कर दोगे, तो मैं तुम्हें बता दूँगी। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि इस अध्ययन के दौरान ऐसा नहीं होगा। होशे, परमेश्वर का अपरिवर्तनीय प्रेम।

यह पुस्तक सुलैमान की मृत्यु के बाद हुए विभाजन के बाद उत्तरी राज्य, इस्राएल के लोगों को संबोधित है। और यह हरे रंग में है, यहाँ दक्षिण में मोआब के मैदानों से लेकर माउंट हेर्मोन के लगभग तल तक, जहाँ दान, दान की जनजाति, अंततः उत्तरी, और बीच में सब कुछ। तो, यह यहूदा के आकार का लगभग दोगुना और सकल राष्ट्रीय उत्पाद का लगभग तीन गुना है।

यह इस्राएल के लोगों का तीन चौथाई हिस्सा है। हम इसे आसानी से भूल सकते हैं। हम कह सकते हैं, ओह, हाँ, ठीक है, वे 722 में बह गए, लेकिन यहूदा बच गया।

हाँ। यहूदा का ज़्यादा हिस्सा नहीं बचा था, या इस्राएल का ज़्यादा हिस्सा नहीं बचा था। और आप में से कुछ लोग जानते हैं कि मैंने अपने जीवन के दौरान यशायाह पर थोड़ा काम किया है।

और मुझे लगा, बहुत से लोग कहना चाहते हैं, ठीक है, किताब का दूसरा भाग निर्वासन में लोगों को संबोधित है। यह ऐतिहासिक इसायाह की कोई समझ या रुचि नहीं हो सकती थी, जो 700 के दशक में रहते थे। क्यों नहीं? उन्होंने तीन चौथाई इज़राइल को निर्वासन में जाते देखा था।

उन्होंने महसूस किया था कि वे क्या महसूस कर रहे थे, क्या हो रहा था। इसलिए, उस भयानक सच्चाई के बारे में सोचना कि दूसरा क्वार्टर 150 साल बाद खत्म होने वाला था, वह इसके लिए तैयार था। खैर, यही वह जगह है।

राजनीतिक सेटिंग, और चलिए सुनिश्चित करें कि हमने सही सेटिंग प्राप्त कर ली है, हाँ। पद 1 में जो कुछ है उसके अनुसार, पुस्तक स्पष्ट रूप से 755 और 725 के बीच लिखी गई थी। और हम इसके बारे में कुछ ही मिनटों में और बात करेंगे।

लगभग 30 साल की अवधि में बहुत सी चीजें घट रही थीं। इस अवधि के पहले 10 वर्षों में, वे समृद्धि के उस स्तर का अनुभव कर रहे थे जो न तो यहूदा और न ही इज़राइल, सुलैमान के बाद से किसी भी राष्ट्र ने प्राप्त किया था। असीरिया, वहाँ का महान साम्राज्य, अगर आप मानचित्र पर देखें, तो उत्तर-पूर्व में, जहाँ आज कुर्द रहते हैं।

कुर्द खुद को असीरियन का वंशज मानते हैं और उनके पड़ोसी भी उनसे सहमत हैं। पिछले 75 या 100 सालों में असीरियन ने बहुत दबाव डाला था और बहुत सारी परेशानियाँ खड़ी की थीं। लेकिन अब, लगभग 40 सालों से, वे पीछे हट गए हैं।

क्या आप कह सकते हैं, योना? अब, विद्वान इसे स्वीकार नहीं करना चाहते, लेकिन यह बिल्कुल सही है। यह योना का समय है। और इसलिए, हमारे पास दो असीरियन सम्राट थे, जिनमें से कोई भी बिल्कुल भी आक्रामक नहीं था।

तो, यह उस समय के दौरान है, 795 से 50 साल, 795 से 745 तक के लगभग 40 वर्षों के दौरान, दबाव कम हो जाता है। और उत्तर में यारोबाम द्वितीय यारोबाम नाम का एक राजा है। शुरुआत में पहला राजा यारोबाम था।

यह यारोबाम द्वितीय है। एक बार, मैं इस पर पढ़ा रहा था, और मैंने कहा, यारोबाम का दांत। लोग हंसते हैं।

मैं इसे समझ नहीं पाया, लेकिन जेरोबाम द्वितीय। और इसलिए, इस्राएल का विस्तार हुआ। वे उन पूर्व क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने में सक्षम थे जो उनसे छीन लिए गए थे।

और यह था, अरे, यह स्वर्ण युग है। यह प्रभु का दिन है। और आमोस नाम का एक बूढ़ा कंजूस यहूदा से आया और कहा, हाँ, यह प्रभु का दिन है, ठीक है।

लेकिन मैं आपको बता दूँ कि प्रभु का दिन कैसा होगा। यह एक ऐसे व्यक्ति की तरह होगा जो रास्ते पर चल रहा है और अचानक एक शेर उस पर कूद पड़ता है। और वह भागने के लिए मुड़ता है और वहाँ एक भालू होता है।

वह दूसरी तरफ मुड़ता है और अपने घर में भागता है और दीवार से टिक जाता है, और एक सांप दरार से बाहर निकलता है और उसे काटता है। वह प्रभु का दिन है। आप कल्पना कर सकते हैं कि उसने कोई मेगा चर्च नहीं बनाया क्योंकि 745 में, यह सब बदल गया।

एक आदमी सिंहासन पर बैठा। अब हम अपने बच्चों का नाम उसके नाम पर नहीं रखते। टिग्लथ-पिलेसर तृतीय।

हम एक बिल्ली को जानते थे जिसका नाम टिग्लथ-पिलेसर था। उसका व्यक्तित्व भी लगभग वैसा ही था। यह आदमी बहुत आक्रामक था।

यह आदमी वह सब कुछ वापस पाने जा रहा है जो उसके दो मूर्ख पूर्ववर्तियों ने खो दिया था। और उसने ऐसा किया भी। और उसने 100 साल के निरंतर आक्रमण, विजय और उत्पीड़न की शुरुआत की।

असीरिया का लक्ष्य मिस्र था। अमीर, संपन्न, आरामदायक। और असीरिया जो करना चाहता था, वह था व्यापार श्रृंखला को नियंत्रित करना।

उनके पास यहाँ पहले से ही बेबीलोन था, और यहाँ व्यापार श्रृंखला थी, और व्यापार मार्ग फ़रात नदी के साथ-साथ, रेगिस्तान से होते हुए पाल्मेरा या तादमोर तक, दमिश्क तक और तट के साथ-साथ मिस्र तक जाता था। तो उनके पास पहले से ही इसका 2 तिहाई हिस्सा था, और वे अपने रास्ते पर हैं। लेकिन यहाँ उनके सामने ये छोटे-छोटे देश खड़े हैं, जिनमें से कुल मिलाकर 8 हैं।

उत्तर में सीरिया, फिर पश्चिम में फोनीशियन या टायर और सीदोन, अम्मोन, इज़राइल, यहूदा, एदोमी, मोआब और पलिशती। उनमें से कोई भी अश्शूर के रास्ते में खड़ा नहीं हो सकता था। और अगर अश्शूर को मिस्र तक पहुँचना था, तो उसे सीरिया, इज़राइल और फोनीशियन का साथ देना होगा।

वे यहूदा पर थोड़ा पीछे हटने का जोखिम उठा सकते थे, क्योंकि यहूदा सड़क पर नहीं था। और वे टायर और सीदोन पर थोड़ा पीछे हटने का जोखिम उठा सकते थे, क्योंकि वे भी सड़क पर नहीं थे। लेकिन 3, सीरिया, इज़राइल और पलिशतियों, उन्हें ऐसा करना ही था।

तो, होशे को उन लोगों से क्या कहना है जो स्पष्ट रूप से विनाश के कगार पर हैं? वे स्पष्ट रूप से अंत की ओर जा रहे हैं। और इसलिए, 753 और 722 के बीच के 30 वर्षों में, इस्राएल में 5 अलग-अलग शासक राजवंश और 6 अलग-अलग राजा थे। केवल एक राजा का उत्तराधिकारी उसका बेटा था, और वह लगभग छह महीने तक चला।

जकर्याह यारोबाम का बेटा था। वह छह महीने तक जीवित रहा। शालोम नाम के एक आदमी ने उसकी हत्या कर दी।

शालोम का शासन एक महीने तक चला, उसके बाद उसे मनहेम नामक व्यक्ति ने मार डाला। मनहेम ने 10 साल तक शासन किया। लेकिन उस दौरान, जॉर्डन के दूसरी तरफ उसका एक प्रतिद्वंद्वी राजा था जो राजा की भूमिका निभा रहा था।

मनहेम बहुत ही निर्दयी व्यक्ति था। चलो देखते हैं। मैंने उसका नाम ठीक से नहीं लिखा।

बहुत क्रूर। शालोम को मारने के रास्ते में, एक शहर ने उसे रोकने की कोशिश की, और उसने सभी को मार डाला। अच्छा आदमी।

उसे बदल दिया गया, इसलिए उसने 10 साल तक शासन किया। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, जब पेकह यहाँ भी 10 साल तक शासन कर रहा था। उसका एक बेटा था जिसका नाम एला था।

माफ़ करना। नहीं, पेकाहिया। हाँ, मुझे लगता है कि यह सही है।

पेकाह के आने से पहले उसने फिर से लगभग तीन महीने तक शासन किया और मोम की पूरी गेंद ले गया। और पेकाह ने आखिरी राजा होशे द्वारा मारे जाने से पहले 10 साल तक शासन किया। अब, मुझे लगता है कि वह मार्कर खत्म हो रहा है, और वह बैंगनी है।

होशे ने इसे लगभग नौ साल तक बनाया। यहाँ क्या हो रहा है? जो हो रहा है वह यह है कि एक राष्ट्र उत्तर से राक्षस के भयानक दबाव में ढह रहा है। लगभग निश्चित रूप से, यहाँ जो हो रहा है वह वही है जो हम अपने देश में दुर्भाग्यपूर्ण हद तक देखते हैं।

आपके पास असीरियन समर्थक, असीरियन विरोधी, असीरियन समर्थक, असीरियन विरोधी और असीरियन विरोधी बनने से पहले के समर्थक हैं। और असीरियन समर्थक ही मरने वाले हैं। तो, आइये उन बेकार लोगों को बाहर निकाल दें।

हमारे यहाँ कोई पक्ष या विपक्ष नहीं है, है न? आगे बढ़ते हैं। यही राजनीतिक सेटिंग है। यही वह स्थिति है जिसमें होशे लिख रहा है।

ये वे लोग हैं जिन्हें होशे लिख रहा है। मुझे लगता है कि उसके दो उद्देश्य हैं। पहला है पश्चाताप का संभावित उद्देश्य।

यह दिलचस्प है। बाइबल कहती है कि मनश्शे के पापों के कारण, जो यहूदा का सबसे बुरा राजा था, यहूदा को निर्वासन में जाना पड़ा। खैर, मनश्शे यिर्मयाह से लगभग 50 साल पहले जीया था।

और यहाँ यिर्मयाह लोगों से पश्चाताप करने का आह्वान कर रहा है। आप में से जो लोग कुछ समय से मेरे साथ हैं, हमने इस तथ्य के बारे में बहुत बात की है कि बाइबल भाग्य में विश्वास नहीं करती है। बाइबल ऐतिहासिक जिम्मेदारी में विश्वास करती है।

और भगवान कह सकते हैं कि आप फिर कभी नहीं गिरेंगे। और जब से उन्होंने ऐसा कहा है, तब से लगभग तीन बार आप गिर चुके हैं। उह-हह।

यदि आप उस तरह से जियेंगे जैसा आपको जीना चाहिए। यदि आप अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल, आत्मा, मन और शक्ति से प्रेम करेंगे और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करेंगे, तो आप कभी नहीं गिरेंगे। साथ ही, वह यह भी कह सकता है कि इस व्यक्ति ने जो पाप किये और लोगों के जीवन में जो पाप समाये, उनके कारण निर्वासन अपरिहार्य है।

जब तक आप पश्चाताप नहीं करते, तो मैं कहता हूँ, होशे का एक ही उद्देश्य है। और वह है उन्हें पश्चाताप के लिए बुलाना।

अभी बहुत देर नहीं हुई है। अभी बहुत देर नहीं हुई है। तुम पागल हो, होशे।

अश्वर को देखो। अभी बहुत देर नहीं हुई है। परमेश्वर को देखो।

लेकिन उसका दूसरा उद्देश्य है, और अगर वह आता है, तो कुछ सत्य आपके अंदर समाहित हो जाएँगे ताकि आप साम्राज्यवादी संस्कृति का हिस्सा न बनें। आप एक अलग व्यक्ति होंगे। और निर्वासन आपको नष्ट नहीं करेगा।

यह वास्तव में आपको शुद्ध करेगा। तो, दो उद्देश्य हैं। पश्चाताप।

अभी बहुत देर नहीं हुई है। लेकिन अगर आप पश्चाताप नहीं करते हैं, तो मैं चाहता हूँ कि जो लोग कैद में जाते हैं, वे जानें कि हमारा परमेश्वर वास्तव में कौन है। ठीक है, चलिए धार्मिक सेटिंग के बारे में बात करते हैं।

मैं बहक रहा हूँ और उस चीज़ को खो रहा हूँ। शुरू से ही, इस्राएल मूर्तिपूजक रहा है। यारोबाम, मेरे सामने एक गंभीर समस्या थी।

वाचा में प्रत्येक पुरुष को वर्ष में तीन बार यरूशलेम जाने के लिए कहा गया था। इस बारे में सोचिए। आप यहाँ हैं, आप जेफरसन डेविस हैं।

संघ के प्रत्येक पुरुष को वर्ष में तीन बार वाशिंगटन, डी.सी. जाना चाहिए। और यही बात यारोबाम ने कही थी। उसने कहा, यदि वे ऐसा करते हैं, तो वे दाऊद के बेटे के पास वापस चले जाएँगे।

तो, हम इसे कैसे रोकेंगे? खैर, हम यरूशलेम से छह मील उत्तर में बेथेल में एक बड़ा सुनहरा बैल रखने जा रहे हैं। और एक और बैल सुदूर उत्तर में दान में। और मैं लोगों से कहना चाहता हूँ, आपको यरूशलेम तक पहुँचने के लिए संघर्ष करने की ज़रूरत नहीं है, खासकर उत्तर में रहने वाले लोगों को।

अब, लगभग निश्चित रूप से, उसने इन्हें यहोवा समझा। बाइबल उन्हें सोने के बछड़े कहती है। मुझे लगता है कि यह लगभग निश्चित रूप से मज़ाक है।

ओह, हाँ, बेथेल जाओ और अपनी कैथी की पूजा करो। मुझे नहीं लगता कि यह बछड़ा था। यह अपनी पूरी ताकत के साथ एक पूर्ण विकसित बैल था।

खेत बेचने से पहले, फ्रैंकफर्ट फोर्ड रोड पर, मैं हर सुबह गाड़ी चलाकर जाता था। मुझे उन्हें देखना अच्छा लगता है, मैं उन्हें जॉर्ज और लुई कहता हूँ। उस खेत में दो बड़े बैल थे।

और वे बस वहाँ खड़े रहे, चारों ओर देखते रहे। इसे अधिकार कहते हैं। हम इसी की पूजा करने जा रहे हैं।

यह यहोवा है। यह यहोवा का अधिकार है। अब, फिर से, हमने पहले भी इस बारे में बात की है, लेकिन जैसा कि मैंने आपको बताया है, दोहराव शिक्षा की आत्मा है।

क्या मैंने आपको यह बताया है? दोहराव शिक्षा की आत्मा है। अगर आपको समझ में नहीं आया, तो बता दूँ कि दोहराव शिक्षा की आत्मा है। अब, मैं क्या दोहराने जा रहा था? ओह, हाँ।

यहोवा को बैल बनाने में क्या समस्या है? बस एक समस्या है। आपने उसे इस सृजित संसार का हिस्सा बना दिया है, जिसे आप इस संसार के ज़रिए नियंत्रित कर सकते हैं।

यही समस्या है। यही समस्या है क्योंकि ईश्वर इस संसार का हिस्सा नहीं है।

और आप इस दुनिया में जो कुछ भी करते हैं, उससे आप उसे कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। हमें इस बात पर यकीन करना मुश्किल लगता है। भगवान, मैंने छह महीने से सुबह और शाम चर्च जाना नहीं छोड़ा है।

चलो भगवान। अगर तुम नहीं आए तो अगले रविवार को मैं देर तक सोऊँगा। हाँ।

हमें ऐसे ईश्वर के साथ रहना मुश्किल लगता है जिसे हम अपने हिसाब से नहीं बदल सकते। जिसके सामने आप केवल विश्वास करके समर्पण कर सकते हैं। हे भगवान!

जब हमारा दोस्त, साँप, हमसे कहता है कि आप उस पर भरोसा नहीं कर सकते। तो, यही स्थिति थी। और यह आगे बढ़ती गई।

वे और भी देवता और मूर्तियाँ ले आए। अंत में, स्थिति इतनी खराब हो गई कि उनके सामने यह खतरा भी आ गया कि वे यहोवा को पूरी तरह से त्याग दें। और तूफान के देवता, बाल की पूजा करने लगें।

वाह। और निश्चित रूप से, एलिय्याह और एलीशा का पूरा मंत्रालय इसी के बारे में था। मैं, फिर से, अपने पापों के लिए, राजाओं पर एक टिप्पणी लिख रहा हूँ।

मुझे इस सप्ताह संपादक से संपादित पांडुलिपि वापस मिल गई है, और वे इसे दो सप्ताह में वापस चाहते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि आपके पास एलिय्याह और एलीशा पर 22 अध्याय हैं जो कुल 90 वर्षों को कवर करते हैं।

आगमनात्मक बाइबल अध्ययन में, एक सिद्धांत है जिसे अनुपात का नियम कहा जाता है। कितने महत्वपूर्ण हैं, कितने महत्वपूर्ण हैं वे 90 साल? महत्वपूर्ण। बहुत महत्वपूर्ण।

क्या हम यहोवा की उपासना छोड़ देंगे? जैसा कि हमारी प्यारी रानी ईज़ेबेल हमें आमंत्रित करती है। और बाल की पूजा करेंगे। नहीं, नहीं।

सच तो यह है कि हम नहीं हैं। लेकिन यह बहुत, बहुत करीब था। हमारे पास येहू नाम का एक लड़का है।

वह सभी उपदेशकों का संरक्षक संत है। देखो, वह उग्रता से आगे बढ़ता है। और उसने ओम्री के वंश को खत्म कर दिया, जो अहाब का पिता था।

और अहाब का एक बेटा योराम था। यहू आया और उसने उस पूरे परिवार को खत्म कर दिया। लेकिन उसने बैलों को नष्ट नहीं किया।

अब फिर से, आप सोचिए कि अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो इसका क्या मतलब होता? क्या वे अब यरूशलेम जाएँगे? और हमें इसका उत्तर नहीं पता। लेकिन उन्हें ऐसा करना चाहिए था। और उन्होंने ऐसा नहीं किया।

उसके पास मौका था। उसने बाल पंथ से छुटकारा पा लिया। यह पक्का है।

उसने उससे छुटकारा पा लिया। लेकिन, परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें बताता हूँ, यहू, मैं तुम्हें चार पीढ़ियों तक सिंहासन पर बिठाऊँगा। लेकिन बस इतना ही।

लेकिन इन वर्षों में, यह लगभग 841 में हुआ, सुलैमान के लगभग 90 साल बाद। और उसके बच्चों, उसने और उसके बच्चों, यहू और उसके बच्चों ने लगभग सौ साल तक शासन किया। उन वर्षों में, परमेश्वर ने हिब्रू लोगों पर भविष्यद्वक्ताओं को भेजकर अपना प्रेम उंडेला।

जहाँ तक हम बता सकते हैं, यहूदा की तुलना में इस्राएल को ज्यादा भविष्यवक्ता दिए गए थे। अब, जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं आपकी भावना को समझ सकता हूँ। अरे यार, मुझे भविष्यवक्ताओं को पढ़ना है।

यह सारा अंधकार। यह सारा न्याय। अंदाज़ा लगाओ क्या? यह परमेश्वर का प्रेम है।

यह भगवान का प्यार है। नहीं, नहीं। उन्होंने यह नहीं कहा कि भगवान आकाश में एक महान दादा हैं जो अंधे हैं और हमेशा कहते हैं, मैं माफ़ करता हूँ।

नहीं, क्योंकि यह वास्तविकता नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा, अगर आप इसे रोक देते हैं, अगर आप पीछे मुड़ जाते हैं, अगर आप गरीबों पर अत्याचार करना छोड़ देते हैं, अगर आप अपनी मूर्तियों की पूजा करना छोड़ देते हैं, अगर आप भगवान की ओर लौट आते हैं, तो भविष्य पूरी तरह खुला है।

अगर आप छोड़ दें, तो होशे और अमोस अंतिम दो हैं। वे कमोबेश समकालीन थे।

अंततः, मूसा की वाचा में दो बातों का आह्वान किया गया। आपमें से जो लोग संडे स्कूल की कक्षा में हैं, उन्हें यहाँ दोहरी खुराक मिलेगी। दो बातें।

बस दो बातें। यहोवा के प्रति पूर्ण निष्ठा। वह अकेला परमेश्वर है।

वह मेरा ईश्वर है, और मैं किसी दूसरे की पूजा नहीं करूँगा। यह नंबर एक है। नंबर दो, दूसरों के लिए खुद को नकारने वाली देखभाल।

यीशु ने तथाकथित पहाड़ी उपदेश में यह कहा था। संपूर्ण व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं का सारांश इसमें समाहित है। दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।

पूरी बात? खैर, पॉल यीशु से सहमत था, जो उत्साहजनक है। उसने कहा कि पूरी व्यवस्था इसी में समाहित है। अपने पड़ोसी से प्रेम करो।

हे भगवान। यह इतना कठिन नहीं है, है न? है न? मुझे ऐसा नहीं लगता। और इसका सबसे अच्छा उदाहरण विवाह है।

परमेश्वर हमारे साथ घनिष्ठ संगति चाहता है। क्या वह ऐसा चाहता है? हाँ, बिल्कुल। लेकिन ये इसका संकेत हैं।

कि मैं उसे जानता हूँ। कि वह मुझे जानता है। और यह चलना ऐसा चलना होगा जो उसके चरित्र, उसकी अच्छाई, उसकी सच्चाई, उसकी सहीता, उसकी वफ़ादारी, उसकी पवित्रता, उसके न्याय, उसके प्रेम को दर्शाता है।

और सबसे अच्छा रूपक विवाह है, यही कारण है कि शैतान इससे इतनी हिंसक रूप से नफरत करता है। वास्तव में, मैं आश्चर्यचकित हूँ कि इतने सारे गैर-ईसाई विवाह सफल होते हैं। और मुझे दुख है कि इतने सारे ईसाई विवाह सफल नहीं होते।

लेकिन यह किताब प्रेम के बारे में है। खोया हुआ प्रेम। खोया हुआ प्रेम।

प्यार से इनकार किया गया। और फिर भी प्यार जारी रहा। चलता रहा।

ओह, ठीक है। यह पृष्ठभूमि है।

चलो देखते हैं। चलो रूपरेखा के बारे में बात करते हैं। अध्याय एक से तीन तक दृष्टांत को जीया गया है, जबकि अध्याय दो बीच में है जो दोनों तरफ के दृष्टांतों को स्पष्ट करता है।

फिर तीन भाग हैं। अब, फिर से, यदि आप होश पर टिप्पणियों को देखें, तो रूपरेखा के लिए बहुत सारे अलग-अलग सुझाव होंगे क्योंकि होश खुद को दोहराता है, बार-बार एक जैसी बातें कहता है। और इसलिए वहाँ एक अच्छी प्रगतिशील रूपरेखा देखना आसान नहीं है।

लेकिन पुस्तक में तीन जगहें हैं जहाँ आपको पश्चाताप करने के लिए स्पष्ट आह्वान किया गया है। पहला अध्याय छह में है, श्लोक एक से तीन तक। अगला अध्याय 11 में है, श्लोक एक से 11 तक।

और फिर आखिरी अध्याय 14 है। तो यह इसे खंडों में विभाजित करने का एक सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है। इसके अलावा, हालांकि यह अनन्य नहीं है, ये तीन हिब्रू शब्द, जो कई मायनों में, ईश्वर में विश्वास का योग हैं, इन इकाइयों में आते हैं, विशेष रूप से नहीं।

आपको अन्य लोगों में भी कुछ घटित होते हुए देखने को मिला है और इसी तरह आगे भी। लेकिन अभी भी थोड़ा बहुत जोर बदलते हुए देखना संभव है। पहला है याद, जानना।

वे मुझे नहीं जानते। अब, याद रखें, यौन आलिंगन के लिए क्या शब्द है? जानना। जानना।

वे मुझे नहीं जानते। हेसेड दूसरा है। मुझे नहीं लगता कि मुझे उसके बारे में आपसे ज़्यादा बात करने की ज़रूरत है।

परमेश्वर का अमिट प्रेम एक श्रेष्ठ व्यक्ति द्वारा एक निम्न व्यक्ति को दिया जाता है, खासकर तब जब वह इसके लायक न हो। और फिर अंतिम व्यक्ति। यह वह शब्द भी है जिसका अनुवाद सत्य किया जा सकता है।

हमने इस बारे में पहले भी बात की है। हम इस बारे में फिर से बात करेंगे। पुराने नियम में, सत्य कोई वस्तुनिष्ठ अवधारणा नहीं है।

यह किसी के प्रति सच्चा होना है जैसे ईश्वर हमारे प्रति सच्चा रहा है। अब, अगर ऐसा है, अगर ब्रह्मांड का एकमात्र निर्माता सच्चा है, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि उसकी दुनिया में, उसके ब्रह्मांड में, ऐसी चीजें हैं जो वैसी ही हैं, चाहे मुझे यह पसंद हो या न हो। इसलिए, वस्तुनिष्ठ सत्य ईश्वर के सत्य से एक आवश्यक निहितार्थ है।

लेकिन वह सत्य का प्रचार करने में उतनी दिलचस्पी नहीं रखता जितना कि सत्य का प्रचार करने में रखता है। और फिर, यह विवाह है। क्या आप अपने जीवनसाथी के प्रति अपने दिल से सच्चे हैं? और, बेशक, यही वह जगह है जहाँ यीशु पर्वत पर उपदेश के पहले भाग में आते हैं।

बड़ी बात है। तो, आप अपनी पत्नी के अलावा किसी और महिला के साथ कभी बिस्तर पर नहीं रहे। लेकिन आपने सड़क पर कितनी महिलाओं को मानसिक रूप से नंगा किया है? यह इसी बारे में बात कर रहा है।

हे भगवान। ठीक है। चलिए अध्याय 1 के बारे में बात करते हैं। होशे ने एक बहुत ही मज़ेदार बात की है।

वह एक इस्राएली भविष्यवक्ता है। फिर भी, वह अपनी पुस्तक की तिथि मुख्यतः यहूदिया के राजाओं के आधार पर तय करता है। वह कहता है कि यहोवा का वचन बेरी के पुत्र होशे के पास उज्जियाह और उसके पुत्र योताम और उसके पुत्र आहाज और उसके पुत्र हिजकियाह के शासनकाल के दौरान आया था।

तो, हम जानते हैं कि उज्जियाह की मृत्यु 739 में हुई थी। ये तिथियाँ इस समय तक काफी हद तक तय हो चुकी हैं। इसलिए उसने 739 से पहले ही लिखना शुरू कर दिया था।

यह लगभग निश्चित है; आप यहाँ एक तर्क दे सकते हैं, लगभग निश्चित है कि हिजकियाह अपने पिता आहाज के साथ सह-शासक बन गया, फिर से, असीरियन समर्थक और विरोधी, 726 में, कुछ ऐसा ही। और योताम और आहाज यहाँ बीच में हैं। तो, यहीं से मुझे वह किताब मिलती है, जो लगभग 755, शायद इतनी जल्दी, और 725 के बीच लिखी गई थी।

लेकिन सवाल यह है कि वह यहूदा के राजाओं का इस्तेमाल क्यों करता है? और यहाँ एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब देना वाकई मुश्किल है। वह अपनी किताब में सिर्फ एक उत्तरी राजा का जिक्र करता है जिसकी मृत्यु 742 में हुई थी। बाकी सभी लोगों का जिक्र क्यों नहीं? वे सभी जीवित थे।

क्या किसी के पास कोई विचार है? अगर आप इसके बारे में नहीं सोचते हैं, तो मुझे सोचना होगा। मुझे लगता है कि उसने सोचा था कि वे उत्तरी राजा सभी नाजायज़ थे। वे सभी हत्यारे हैं।

मुझे लगता है कि वह सोच रहा है कि यारोबाम वास्तव में अंतिम वैध राजा है। अब, उसका बेटा जकर्याह उसका उत्तराधिकारी बना। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, वह बहुत कम समय तक जीवित रहा और फिर उसकी हत्या कर दी गई।

मुझे लगता है कि यही हो रहा है। मुझे लगता है कि वह कह रहा है, मैं अपनी किताब की तारीख उन सभी लोगों के हिसाब से तय नहीं कर सकता जो काफी समय से जीवित हैं। इसलिए, मुझे यह काम यहूदा के राजाओं के आधार पर करना होगा।

अब, आप कहते हैं, क्या आप इसे साबित कर सकते हैं? नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि शायद यही हो रहा है। हाँ।

ओह, यह सामान्य है। हाँ, भविष्यवक्ता आमतौर पर उन राजाओं के नाम से अपनी तिथि बताते हैं जिनके अधीन उन्होंने सेवा की। खैर, मुझे लगता है कि वह उन लोगों का उपयोग नहीं कर सकता।

इसलिए, उसे डेटिंग का कोई दूसरा तरीका अपनाना होगा। मुझे लगता है कि यही हो रहा है। प्रभु ने होशे के माध्यम से बात करना शुरू किया, और प्रभु ने उससे कहा, जाओ एक वेश्या से शादी करो और उसके साथ बच्चे पैदा करो।

अब, इसके बारे में क्या? इसके बारे में क्या? क्या एक शुद्ध परमेश्वर अपने शुद्ध सेवक को कुछ ऐसा करने का आदेश देता है जो कम से कम अनैतिकता से जुड़ा हो? आप क्या सोचते हैं? उसने होशे को इस्राएल के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल किया। इस्राएल ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया था। वह एक परमेश्वर था।

वह उनका पिता था। हाँ, वह होशे को अपने लिए और गोमेर को इस्राएल के लिए उदाहरण के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। परमेश्वर अपनी बात को कितनी बुरी तरह से व्यक्त करना चाहता है? गहराई से।

और होशे ऐसा करने को तैयार है। मुझे खुशी है कि उसने मुझसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। लेकिन यह इस बात का संकेत है कि लोगों तक पहुँचने के लिए परमेश्वर कितनी दूर तक जाने को तैयार है और परमेश्वर का आदमी परमेश्वर के निर्देशों का पालन करने के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार है।

क्योंकि व्यभिचारी पत्नी की तरह, यह देश बेवफाई और झूठ का दोषी है। मूल रूप से, जब भी आप पुराने नियम में वफादार को देखते हैं, तो उसके पीछे का शब्द सत्य या सच होता है। इसलिए, उसने डिबलैम की बेटी गोमेर से विवाह किया।

और वह गर्भवती हुई और एक बेटे को जन्म दिया। सवाल यह है कि क्या यह होशे का बेटा है? शायद नहीं। प्रभु ने होशे से कहा, उसका नाम यिज़्रेल रख क्योंकि मैं जल्द ही यिज़्रेल में हुए नरसंहार के लिए येहू के घराने को दण्डित करूँगा, और मैं इस्राएल के राज्य का अंत कर दूँगा।

अब, फ़ोन बंद करो! जब येहू ने ओम्री, उसके वंश को नष्ट किया, तब येहू परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा था। उसने वास्तव में ओम्री के पोते जेहोराम को मार डाला।

जब येहू ने उन्हें मारा, तो वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा था, और परमेश्वर ने उसे ऐसा करने के लिए चार पीढ़ियों तक सिंहासन पर बिठाया। अब, वह दण्ड देने जा रहा है और उसने यह यिज़्रेल की ग्रीष्मकालीन राजधानी में किया। बहुत ही शक्तिशाली कहानी।

इज़ेबेल, जो इस समय शायद 80 साल की हो चुकी होगी, ने अपना पूरा श्रृंगार किया और अपने बेहतरीन कपड़े पहने, खिड़की से बाहर झुकी और बोली, हाय, जिमरी। जिमरी वह व्यक्ति था जिसने ओमरी के पूर्ववर्ती को मार डाला था। और येहू ने कहा, क्या कोई हमारी तरफ़ से है? एक नपुंसक बाहर झुका और बोला, हाँ, उसे बाहर निकाल दो।

उन्होंने ऐसा किया। और कुत्तों ने उसका शरीर खा लिया। यहाँ क्या हो रहा है? खैर, जब आप 2 राजा 10 में कहानी पढ़ते हैं, तो ऐसा लगता है कि येहू ने अपने वारंट का उल्लंघन किया है।

उसने न केवल ओम्री और अहाब के परिवार को मार डाला, बल्कि उसने अहाब से जुड़े हर व्यक्ति को भी मार डाला। मुझे लगता है कि इसका मतलब यह है कि आप परमेश्वर की इच्छा को गलत तरीके से भी पूरा कर सकते हैं। आप परमेश्वर की इच्छा को स्वार्थी तरीके से भी पूरा कर सकते हैं।

मुझे लगता है कि येहू ने वाकई बहुत आनंद लिया। और परमेश्वर कहता है कि मैं यह बात नहीं भूलता। हाँ, मैं परमेश्वर की इच्छा पूरी कर रहा हूँ।

कैसे? उसके लिए या अपने लिए? गोमेर फिर से गर्भवती हुई और उसने एक बेटी को जन्म दिया। यहोवा ने होशे से कहा, उसका नाम लो-रूहामा रख, जिसका अर्थ है कोई दया नहीं, क्योंकि मैं अब इस्राएल पर दया नहीं करूँगा कि मैं उन्हें क्षमा करूँ।

भगवान आप पर दया करना कब बंद कर देते हैं? खैर, मुझे इसका जवाब नहीं पता। लेकिन इससे मुझे पता चलता है कि यह संभव है। और यह ऐसी चीज़ है जिससे हम सभी को सिहरन होनी चाहिए।

अब, NIV में यहाँ प्रेम शब्द है, लेकिन यह करुणा है। दिलचस्प बात यह है कि कुलुस्सियों में, यह पहली चीज़ है जिसे उस व्यक्ति को, जिसने अपना पुराना मनुष्यत्व त्याग दिया है, अब धारण करना चाहिए। करुणा।

दूसरों के साथ महसूस करने की क्षमता। भगवान कहते हैं कि मैं कर चुका हूँ। मैं कर चुका हूँ।

अब, इससे पहले कि आप भगवान पर क्रोधी होने का आरोप लगाएँ, 700 साल, भगवान की करुणा खत्म होने में 700 साल लग गए। उनके नाम की स्तुति करो।

अब, यह कहने का कोई कारण नहीं है कि, ओह, ठीक है, मुझे 700 साल मिले। नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। लेकिन एक बिंदु आता है।

एक समय ऐसा आता है। फिर भी, मैं यहूदा पर दया दिखाऊँगा। और मैं उन्हें धनुष, तलवार, या युद्ध, या घोड़ों और घुड़सवारों द्वारा नहीं बचाऊँगा, बल्कि मैं, उनका परमेश्वर यहोवा, उन्हें बचाऊँगा।

याद कीजिए 701 में यहूदा में क्या हुआ था? असीरियन सम्राट सेनचेरिब ने उनके सभी किलेबंद गांवों पर कब्ज़ा कर लिया था, उनमें से 46 गांव थे। दक्षिण-पश्चिम से मिस्र की ओर जाने वाली सड़क पर पहरा देने वाला राकेश गिरने वाला है, और यरूशलेम ही बचा है। और यशायाह हिजकिय्याह से कहता है, परमेश्वर पर भरोसा रखो।

और हिजकिय्याह कहता है, अब, ईमानदारी से कहूँ तो, हिजकिय्याह के पास बस यही बचा था। आप जानते हैं, जैसा कि वे कहते हैं, जब सब कुछ विफल हो जाता है, तो प्रार्थना का प्रयास करें। उसने किया।

और एक रात, 185,000 असीरियन सैनिक मारे गए। और सन्हेरीब ने सोचा कि उसे घर पर ज़रूरी काम है। 750 और 725 के बीच में, मैं यहूदा को बचाऊँगा, धनुष, तलवार या युद्ध या घोड़ों और घुड़सवारों से नहीं।

मैं, यहोवा उनका परमेश्वर, उन्हें बचाऊँगा। वह जानता था कि वह किस बारे में बात कर रहा था। जब उसने लो-रूहामा को दूध छुड़ाया, तो गोमेर को एक और बेटा हुआ।

प्रभु ने कहा, उसका नाम लो-रूहामा रखिए। लो-रूहामा, जिसका मतलब है मेरे लोग नहीं। शायद कोई दूसरा पिता होशे नहीं।

तुम मेरे लोग नहीं हो, और मैं तुम्हारा भगवान नहीं हूँ। पिछले 40 या 50 सालों से, ओह, यार, भगवान हमारे काम आ रहे हैं। हमें जो पैसे मिले हैं, उन्हें देखो।

हमारे पास जो शक्ति है, उसे देखिए। ओह, वाह, हमने प्रार्थना की, हमने विश्वास किया, और भगवान ने हमारी मदद की। ओह, अमेरिका, अमेरिका।

लेकिन अब श्लोक 10, 11 और 2, 1 को देखें। भिक्षु जो अध्याय विभाजन कर रहा था, उसका गधा, जाहिर तौर पर इस बिंदु पर एक गड्ढे से टकरा गया। अध्याय विभाजन वास्तव में 2, 2 से शुरू होना चाहिए। फिर भी, इस्राएली समुद्र तट पर रेत की तरह होंगे, जिन्हें मापा या गिना नहीं जा सकता। जिस स्थान पर उनके बारे में कहा गया था, तुम मेरे लोग नहीं हो, वे जीवित परमेश्वर के बच्चे कहलाएंगे।

यहूदा और इस्राएल के लोग एक साथ आएंगे। वे एक नेता नियुक्त करेंगे और महान कार्य करने के लिए देश से बाहर निकलेंगे। यह यिज्जेल का दिन होगा।

अपने भाइयों, मेरे लोगों, और अपनी बहनों, मेरे दयालु के बारे में कहो। आप इसे कैसे संतुलित करते हैं? आप इसे हमने अभी जो कहा है, उसके साथ कैसे जोड़ते हैं? तुम मेरे लोग नहीं हो। मैं तुम पर दया नहीं करूँगा।

उसने अब्राहम के साथ की गई वाचा को याद किया। वह वादा निभाने वाला परमेश्वर है। अब, ये लोग, यह पीढ़ी, कष्ट सहने जा रही है, और वे भयंकर कष्ट सहने जा रही है।

लेकिन ईश्वर इजरायल को नहीं छोड़ेगा। इसलिए मुझे खुशी है कि हैरी ट्रूमैन के बिसाती के व्यवसाय में एक साथी यहूदी था। और 1948 में, इजरायल द्वारा अपनी राष्ट्रीयता घोषित करने के एक दिन बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन्हें मान्यता दे दी।

हैरी ट्रूमैन की वजह से। ईश्वर इसराइल को नहीं छोड़ेगा। अब, इसका मतलब यह नहीं है कि हर इसराइली बच जाएगा।

यही बात चर्च के बारे में भी सच है। परमेश्वर चर्च को छोड़ने वाला नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि हममें से हर कोई जो चर्च में है, बचा लिया जाएगा।

लेकिन वह हार मानने वाला नहीं है। वह इस तरह का ईश्वर है। और यह, कई मायनों में, यह पहला अध्याय वास्तव में पुस्तक की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

जब ऐसा होगा, अगर ऐसा होगा, तो याद रखें, जब आपकी नाक में हुक लगाकर आपको घसीटा जा रहा होगा, शायद आपने सिर्फ एक लंगोटी पहनी होगी, तो याद रखें, याद रखें, इसराइल

समुद्र तट की रेत की तरह होगा। यह आपको अंधेरे में थामे रखेगा। यह आपको तब थामे रखेगा जब ऐसा लगेगा कि सब कुछ खत्म हो गया है।

तुम्हारी सारी उम्मीदें, तुम्हारे सारे सपने। इस्राएल समुद्र तट की रेत की तरह होगा। यही बात उसने वहाँ पिता अब्राहम से कही थी।

उसने अपना मन नहीं बदला है। हम अच्छे बेबीलोनवासी नहीं बनने जा रहे हैं। फिर से, मुझे माफ़ करें, मैंने यह पहले भी कहा है, लेकिन आपको याद नहीं है।

निर्वासन का पूरा उद्देश्य लोगों की संस्कृति, धर्म, भाषा को नष्ट करना और उन्हें शाही संस्कृति का हिस्सा बनाना था। और परमेश्वर कहता है, नहीं, ऐसा होने की ज़रूरत नहीं है। यही आप दानियेल में देखते हैं।

और डैनियल एक अद्भुत, अद्भुत उदाहरण है। वह कोई मतलबी आदमी नहीं है। वह यह कहते हुए नहीं घूम रहा है कि, तुम घटिया बेबीलोनियों, मैं पहला मौका मिलते ही तुम्हें उड़ा दूंगा।

नहीं। वह उदार है। वह जब भी और जिस तरह से भी कर सकता है, उनकी मदद करेगा।

लेकिन वह उनमें से एक नहीं बनने जा रहा है। यह हमारा चुनाव है। क्या हम बेबीलोनियों में से एक बनने जा रहे हैं? जब हमारे लिए हालात बुरे हो जाएँ? जब हम अपनी फसल काटेंगे? बाइबल के सबसे महान विषयों में से एक।

मत भूलना। मत भूलना। याद रखना।

इसलिए, मैं कहता हूँ, इस पहले अध्याय में, हम वास्तव में पुस्तक को कई तरह से संक्षेप में देखते हैं। न्याय आ रहा है। आपने पाप करके परमेश्वर की करुणा को खो दिया है।

लेकिन भगवान ने अभी कुछ नहीं किया है। भगवान ने अभी कुछ नहीं किया है। इसे मत भूलना।

खैर, मैंने आज रात सारी बातें कर ली हैं। अगले हफ़्ते ऐसा नहीं होगा। मुझे उम्मीद है।

अपना होमवर्क तैयार रखें। हम अध्याय दो और तीन करेंगे, और फिर दो सप्ताह का अवकाश लेंगे। करें और मैं बाहर रहेंगे।

तो, हम वापस आएँगे। लेकिन अगले सप्ताह, हम अध्याय दो और तीन के साथ आगे बढ़ेंगे। जाने से पहले कोई सवाल या टिप्पणी? बोनी? आज मज़दूर दिवस है।

हम इसे वैसे भी करने जा रहे हैं। हम मेहनत करने जा रहे हैं। हाँ, मैं सिर्फ़ एक काम करके उसे बंद नहीं करना चाहता था।

मैं पहले ही तुम्हें फंसाने जा रहा हूँ। हाँ। ओह, हाँ।

हाँ, मुझे नहीं लगता। मुद्दा यह है कि परमेश्वर अपने प्राचीन वादों के कारण उन्हें नहीं छोड़ेगा। लेकिन परमेश्वर की करुणा का अनुभव करने के लिए उन प्राचीन वादों को उनके लिए वास्तविक बनना होगा।

हाँ, लेकिन करुणा तो उसके प्राचीन वादों के कारण उपलब्ध होगी। लेकिन हाँ, बिलकुल। हमें इसे स्वीकार करना होगा।

हां। हां और नहीं। मुझे लगता है कि हमें सावधान रहना होगा कि हम इन वादों को अलग-अलग हिस्सों में न बांटें।

मुझे लगता है कि यह दूरबीन से देखने जैसा है। जो चीजें बहुत दूर हैं और जो चीजें पास हैं, वे संकुचित हो जाती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि निर्वासन से वापसी यहाँ है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह सब बस इतना ही है।

मुझे लगता है कि इसमें भविष्य के दीर्घकालिक वादे हैं, लेकिन यह सिर्फ इतना ही नहीं है। कोई और टिप्पणी, सवाल? हाँ, अगले हफ्ते के लिए हैंडआउट्स फिर से टेबल पर हैं। मुझे प्रार्थना करने दीजिए।

प्रभु यीशु, आपका धन्यवाद। आपका धन्यवाद कि आप सभी वादों की पूर्ति हैं। आपके आने और उन लोगों के लिए परमेश्वर की अनंत करुणा प्रदर्शित करने के लिए धन्यवाद जो इसे प्राप्त करेंगे।

हे प्रभु, हमें ऐसे लोग बनने में मदद करें। हमें ऐसे लोग बनने में मदद करें जो आपके प्रति पूरी तरह से वफ़ादार होना चुनते हैं। हमें ऐसे लोग बनने में मदद करें जो पवित्र आत्मा के उपहार से दूसरों की खातिर खुद को नकारने में सक्षम हैं।

हमें ऐसे लोग बनने में मदद करें जो आपसे आत्मीयता से, प्यार से और करीब से प्यार करते हैं और जो आपको जानते हैं। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।